

Daily Current Affairs

Date : 20 January, 2026

UTKARSH
CLASSES

CIVIL
SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	प्रेरणा अभियान 2.0 (19 जनवरी से 19 फरवरी, 2026)
2.	69वीं स्कूल नेशनल अंडर-19 (बालक/बालिका) बुशू प्रतियोगिता में राजस्थान
3.	राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (RGAVP)
4.	इंडिया स्टोनमार्ट का 13वाँ संस्करण
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. WPL खेलने वाली राजस्थान की पहली महिला खिलाड़ी 2. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का राष्ट्रीय चिंतन शिविर : उदयपुर 3. 21st IBA वार्षिक बैंकिंग टेक्नोलॉजी अवार्ड्स 2024-25 4. युवा सम्बल मेला - 2026 5. कृषक अधिकार पंजीयन पखवाड़ा (राजसमंद ज़िले का नवाचार) 6. मरु महोत्सव-2026 : जैसलमेर 7. 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता
6.	काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना
7.	विंग्स इंडिया, 2026
8.	चिप्स टू स्टार्टअप (C25) कार्यक्रम
9.	विल फॉर पीस, 2026
10.	आत्मनिर्भरता तथा रक्षा विनिर्माण का वैश्विक उत्पादन केन्द्र: भारत
11.	वूमनिया पहल
12.	लोकपाल : स्थापना दिवस
13.	केन्द्रीय सूचना आयोग - CIC

--:1:--



उत्कर्ष®

Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR



राजस्थान परिदृश्य

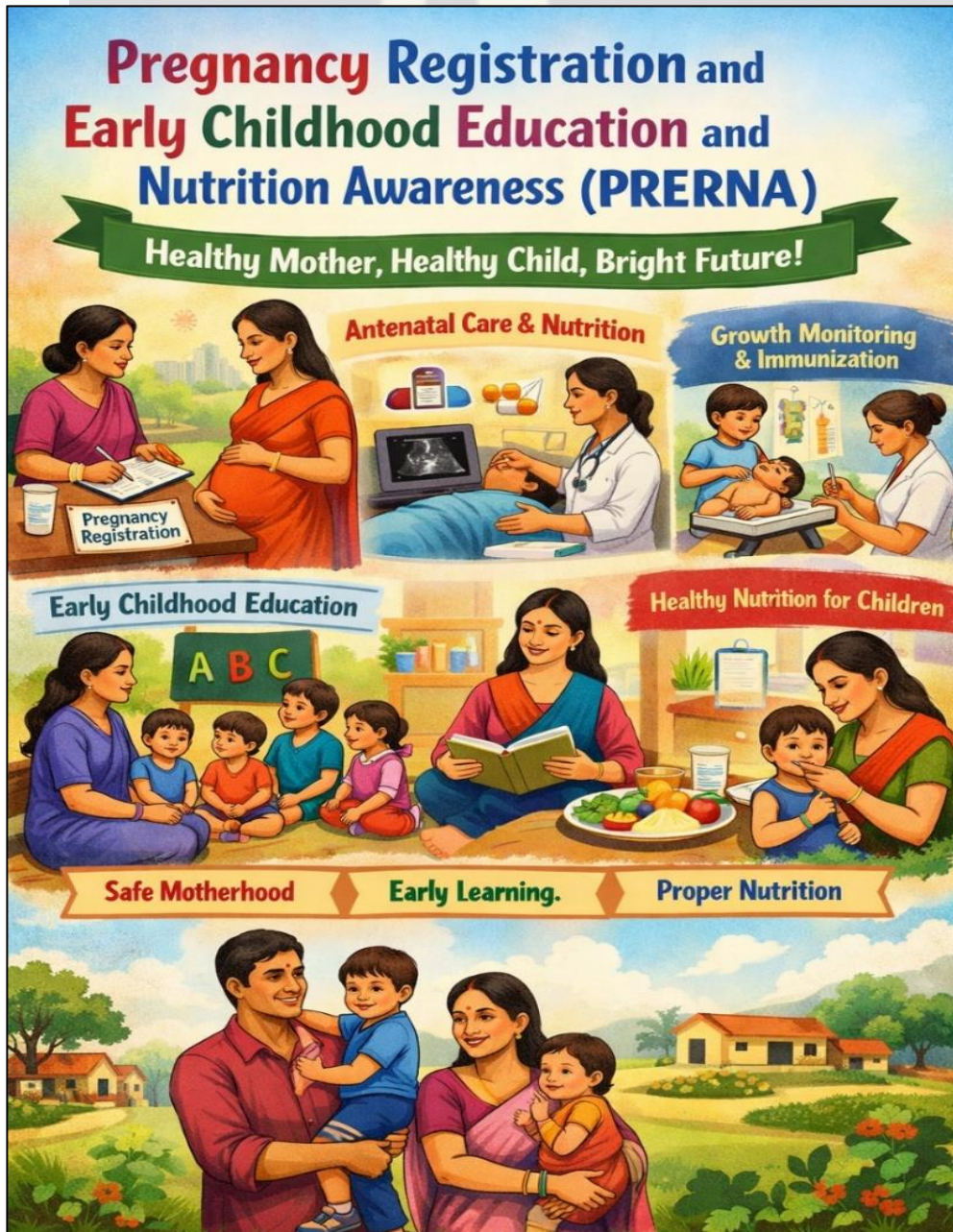


प्रेरणा अभियान 2.0 (19 जनवरी से 19 फरवरी, 2026)



चर्चा में क्यों?

- राजस्थान में 19 जनवरी से 19 फरवरी, 2026 तक राज्यव्यापी 'प्रेरणा अभियान 2.0' का संचालन किया जा रहा है।



--2--



मुख्य बिन्दु:

- **अभियान का पूरा नाम :** प्रेग्नेन्सी रजिस्ट्रेशन एण्ड अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एण्ड न्यूट्रिशन अवेयरनेस - 2.0 (PRERNA - 2.0)
- **आयोजक :** समेकित बाल विकास सेवाएँ (ICDS) निदेशालय।
- **कार्यक्रम का ध्येय :** 'सशक्त आंगनबाड़ी, सुपोषित बचपन'।
- इस अभियान के तहत ICDS सेवाओं से वंचित सभी पात्र लाभार्थियों, गर्भवती (शुरुआती तीन माह) व धात्री महिलाओं, 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों और आकांक्षी जिलों में किशोरी बालिकाओं का पंजीकरण किया जायेगा। पंजीकृत लाभार्थियों को ICDS के तहत सुविधा प्रदान की जाएगी।
- **लक्षित योजनाएँ :** प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना, पूरक पोषाहार, मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना आदि। लाभार्थियों को आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से इन योजनाओं से लाभान्वित किया जाना लक्षित किया गया है।
- इस अभियान के तहत कुपोषण प्रबंधन के लिए 'अम्मा कार्यक्रम' की तर्ज पर 'सीवियर एक्यूट मालन्यूट्रिशन (SAM) और मॉडरेट एक्यूट मालन्यूट्रिशन (MAM)' की पहचान की जाएगी।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

समेकित बाल विकास सेवाएँ (ICDS):

- **शुरुआत :** 2 अक्टूबर, 1975
- **उद्देश्य :**
 - 0 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य स्थिति में सुधार करना।
 - बच्चों के मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए आधार तैयार करना।
 - मृत्यु दर, बीमारियों, कुपोषण और स्कूल ड्रॉपआउट की दर को घटाना।
 - इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्तमान में राजस्थान में 363 बाल विकास परियोजनाएँ संचालित हैं।

Daily Current Affairs

Date : 20 January, 2026



अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउण्ट (ABHA) ID** : आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के एक भाग के रूप में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 14 अंकों की विशिष्ट संख्या युक्त ABHA ID की शुरुआत की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स के लिए एक केंद्रीकृत रिपोजिटरी बनाना है।
- जुलाई, 2025 के आँकड़ों के अनुसार राजस्थान ABHA ID बनाने में पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य में जुलाई, 2025 तक 6 करोड़ 23 लाख से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी थी।



--:4:--

69वीं स्कूल नेशनल अंडर-19 (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान

चर्चा में क्यों?

- इम्फाल (मणिपुर) में आयोजित 69वीं स्कूल नेशनल अंडर-19 (बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान ने 5 स्वर्ण सहित कुल 12 पदक जीते।



--:5:--

Daily Current Affairs

Date : 20 January, 2026

UTKARSH
CLASSES

CIVIL
SERVICES



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक** : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI)
- **आयोजन** : 14 से 19 जनवरी, 2026 तक इम्फाल, मणिपुर में।
- **राजस्थान का प्रदर्शन** : कुल : 5 स्वर्ण, 4 रजत व 3 कांस्य पदक।
- बालिका वर्ग में 3 स्वर्ण व 2 रजत पदक के साथ प्रथम स्थान।
- बालक वर्ग में 2 स्वर्ण, 2 रजत व 3 कांस्य पदक के साथ दूसरा स्थान।

राजस्थान के स्वर्ण पदक विजेता :

- कर्मवीर (52 किलो भार वर्ग),
- कार्तिक यादव (80 किलो भार वर्ग),
- कुसुम सुथार (52 किलो भार वर्ग),
- दिव्यांशी (65 किलो भार वर्ग)
- कनक कंवर (75 किलो भार वर्ग)।

--:6:--



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (RGAVP)

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (JLF) 2026 में एक विशेष सत्र "लेजेंडा: द रियल विमेन बिहाइंड द मिथ्स" (Legenda: The Real Women Behind the Myths) का आयोजन किया गया।



मुख्य बिन्दु:

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (RGAVP) या राजीविका

- राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (RGAVP) या राजीविका की स्थापना वर्ष 2010 में राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त संस्था के रूप में की गई थी।
- यह राजस्थान सोसायटी अधिनियम - 1958 के तहत पंजीकृत सोसायटी है।
- अध्यक्ष :** मुख्यमंत्री।

उद्देश्य:

- ग्रामीण विकास के लिए की जा रही सरकारी और गैर-सरकारी पहलों के बीच प्रभावी अभिसरण लाना।
- स्वयं सहायता समूहों, उत्पादक संगठनों, सामुदायिक विकास संगठनों, स्वयं सहायता समूहों के महासंघों के गठन और सुदृढीकरण में सहायता करना।
- गरीबों की आय बढ़ाने के लिए कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में लघु और सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देना।

इंडिया स्टोनमार्ट का 13वाँ संस्करण



चर्चा में क्यों?

- इंडिया स्टोनमार्ट का 13वाँ संस्करण 5 से 8 फरवरी, 2026 तक जयपुर में आयोजित किया जाएगा।



--8--

Daily Current Affairs

Date : 20 January, 2026



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन स्थल** : जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), सीतापुरा।
- **आयोजक** : सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (CDOS)।
- **प्रायोजक** : राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड (RIICO)
- **थीम** : स्टोन फॉर सस्टेनेबिलिटी (Stone for Sustainability)।
- यह राजस्थान के प्राकृतिक पत्थर उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी है, जिसमें देश-विदेश से स्टोन उद्योग से जुड़े उत्पादक, निर्यातक, खरीदार, वास्तुविद्, डिज़ाइनर एवं विशेषज्ञ भाग लेंगे।
- यह आयोजन पत्थर उद्योग के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंच है, जो राज्य की औद्योगिक क्षमताओं, निर्यात संभावनाओं और निवेश अवसरों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम बनेगा। साथ ही, उद्योग, व्यापार और रोजगार सृजन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

--9--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>WPL खेलने वाली राजस्थान की पहली महिला खिलाड़ी</p> <ul style="list-style-type: none">■ झुंझुनू निवासी हैप्पी कुमारी खीचड़ महिला प्रीमियर लीग (WPL) में डेब्यू करने वाली राजस्थान की पहली महिला खिलाड़ी है।■ गुजरात जाएंट्स ने हैप्पी को ₹10 लाख में खरीदा।
2.	<p>खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का राष्ट्रीय चिंतन शिविर : उदयपुर</p> <ul style="list-style-type: none">■ 19 और 20 जनवरी, 2026 को केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा उदयपुर में दो-दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया गया।■ इस चिंतन शिविर का उद्देश्य नीति, नवाचार, उद्यमिता और हितधारकों के सहयोग के जरिए भारत के खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्टम को मजबूत करना है।
3.	<p>21st IBA वार्षिक बैंकिंग टेक्नोलॉजी अवार्ड्स 2024-25</p> <ul style="list-style-type: none">■ राजस्थान ग्रामीण बैंक (RGB) ने 21वें IBA वार्षिक बैंकिंग टेक्नोलॉजी अवार्ड्स 2024-25 में पाँच अवॉर्ड जीते।■ मुंबई में आयोजित इस समारोह में RGB ने तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ डिजिटल वित्तीय समावेशन श्रेणी में विजेता, सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी बैंक एवं सर्वश्रेष्ठ IT जोखिम प्रबंधन श्रेणी में उपविजेता तथा सर्वश्रेष्ठ डिजिटल सेल्स एवं सर्वश्रेष्ठ फिनटेक एवं DPI एडॉप्शन श्रेणी में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल पांच पदक जीते।
4.	<p>युवा सम्बल मेला - 2026</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : 20 जनवरी, 2026 को बीकानेर में।■ आयोजक : कौशल, रोज़गार एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान।

5.	<p>कृषक अधिकार पंजीयन पखवाड़ा (राजसमंद ज़िले का नवाचार)</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, राजसमंद जिला प्रशासन द्वारा 'कृषक अधिकार पंजीयन पखवाड़ा' के नाम से एक नवाचार किया गया।इस अभियान के प्रथम चरण में 15,000 से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की गई है।राजसमंद जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा की पहल पर शुरू किए गए इस नवाचार के तहत अधिकारी-कर्मचारी खेत-खलिहानों पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री करते हैं।
6.	<p>मरु महोत्सव-2026 : जैसलमेर</p> <ul style="list-style-type: none">आयोजन : मरु महोत्सव-2026 का आयोजन 29 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक किया जाएगा।
7.	<p>69वीं राष्ट्रीय विद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता</p> <ul style="list-style-type: none">आयोजन : सीकर (राजस्थान)आयोजक : प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर एवं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI)उद्घाटन : नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्वा।

SERVICES

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने असम के कालियाबोर में 6,950 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना (NH-715 के कालियाबोर - नुमालीगढ़ खंड का 4-लेन निर्माण) का भूमि पूजन किया।

मुख्य बिन्दु:

- **बागुरुंबा द्वीप** : प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी में बोडो समुदाय के सांस्कृतिक त्योहार में भाग लिया।
- बागुरुंबा नृत्य, प्रकृति से प्रेरित एक शास्त्रीय बोडो लोक नृत्य शैली है।

काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर:

- **आधारशीला**: 18 जनवरी, 2026 प्रधानमंत्री द्वारा।
- **उद्देश्य**: जानवरों की निर्बाध आवाजाही तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करना।
- 86 किलोमीटर लंबी काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना है, जिसमें 35 किलोमीटर का एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर है जो काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरेगा।

दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ:

1. गुवाहाटी (कामाख्या) - रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस
2. डिब्रूगढ़ - लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

विंग्स इंडिया, 2026



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** 28 से 31 जनवरी, 2026 तक हैदराबाद में (बेगमपेट एयरपोर्ट), द्विवार्षिक आयोजन।
- **वर्ष 2026 का विषय:** "इंडियन एविएशन : पेविंग द फ्र्यूचर-फ्रॉम डिज़ाइन टु डेप्लॉयमेंट, मैनुफैक्चरिंग टु मेंटिनेंस, इंकल्यूसिविटी टु इनोवेशन एण्ड सेफ्टी टु सस्टेनेबिलिटी"।
- यह एशिया का सबसे बड़ा नागर विमानन कार्यक्रम है।
- **आयोजक :** नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और FICI द्वारा संयुक्त रूप से।
- इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ग्लोबल सीईओ फोरम और मंत्रिस्तरीय पूर्ण सत्र के अलावा 13 विषयगत सत्र शामिल हैं, जिनमें विमानन में महिलाएँ, हवाई माल परिवहन, व्यावसायिक विमानन और छोटे विमान, सतत् विमानन ईंधन (SAT) और ड्रोन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा।

चिप्स टू स्टार्टअप (C25) कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- 1 लाख से अधिक व्यक्तियों ने चिप डिज़ाइन प्रशिक्षण के लिए नामांकन किया है, जिनमें से अब तक लगभग 67,000 प्रशिक्षित हो चुके हैं।
- सेमी कंडक्टर लेबोरेटरी (SCL) ने बड़े पैमाने पर व्यावहारिक चिप डिज़ाइन को सक्षम बनाया है, जिनमें 46 संस्थानों से 122 प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुई हैं। इनमें विद्यार्थियों द्वारा डिज़ाइन 56 चिप्स शामिल थे, जिन्हें सफलतापूर्वक निर्मित, पैक और डिलीवर किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह एक राष्ट्रीय क्षमता निर्माण और नवाचार पहल है जो विद्यार्थियों को चिप डिज़ाइन, निर्माण और परीक्षण में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।
- **लॉन्च:** वर्ष 2022
- **कार्यान्वयनकर्ता:** इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (Meity)।
- **उद्देश्य:** 25 स्टार्टअप्स के इनक्यूबेशन को उत्प्रेरित करना और 10 प्रौद्योगिकी हस्तांतरणों को सक्षम बनाना।
- **अवधि:** 5 वर्ष
- **परिव्यय:** 250 करोड़ रुपये।
- **विशेषताएँ:**
 1. अवसंरचना तक पहुँच (साझा EDA उपकरण, HPC, FPGA बोर्ड और स्मार्ट लैब)
 2. प्रत्यक्ष निर्माण (सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला, मोहाली के माध्यम से)
 3. चिप डिज़ाइन (राष्ट्रीय चिप IN केन्द्र, उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र; C-DAC, बेंगलुरु)
 4. नावाचार (स्टार्टअप, इनक्यूबेटर, पेटेंट, IP कोर, ASIC)
 5. साझा सहयोग (वैश्विक EDA, सेमीकंडक्टर कंपनियाँ, उद्योग के साथ)

योजना / कार्यक्रम का महत्त्व

1. उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स और AI संचालित अनुप्रयोगों की वैश्विक मांग में लगातार वृद्धि होने के कारण वर्ष 2030 तक सेमीकंडक्टर उद्योग के लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचने की संभावना है।
2. वैश्विक सेमीकंडक्टर कार्यबल में सेमीकंडक्टर प्रतिभा का अभाव है, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2032 तक 1 मिलियन अतिरिक्त कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होगी।
3. इस कार्यक्रम के अंतर्गत 305 शैक्षणिक संस्थान और डिज़ाइन लिंकड इंसेंटिव (DLI) योजना के अंतर्गत 95 स्टार्टअप्स शामिल हैं।

चिप्स टू स्टार्टअप (C25) कार्यक्रम के प्रमुख परिणाम :

1. विद्यार्थियों द्वारा डिज़ाइन की गई कुल 56 चिप्स को सफलतापूर्वक निर्मित, पैक और डिलीवर किया गया।
2. प्रतिभागी संस्थानों ने चिप डिज़ाइन और सेमीकंडक्टर निर्माता प्रक्रियाओं में 75+ पेटेंट दायर किए हैं।
3. परम उत्कर्ष सुपरकंप्यूटर के माध्यम से उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग तक पहुँच प्रदान की गई है।
4. सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी (SCL), मोहाली में बीते वर्षों में चिपइन सेंटर ने 6 साझा वेफर रन आयोजित किए, जिससे 46 संस्थानों से 122 चिप डिज़ाइन प्रस्तुतियाँ संभव हुईं।

विल फॉर पीस, 2026

चर्चा में क्यों?

- भारत ने ब्रिक्स प्लस नौसैनिक अभ्यास विल फॉर पीस, 2026 में भाग नहीं लिया।
- भारत का तर्क : इस तरह के अभ्यास संस्थागत ब्रिक्स गतिविधियाँ नहीं है।

मुख्य बिन्दु:

- परिचय: ब्रिक्स प्लस नौसैनिक अभ्यास एक मेजबान नेतृत्व वाला गैर-संस्थागत समुद्री अभ्यास है।
- आयोजन: 9 से 16 जनवरी, 2026 तक साइमन तट, केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका।
- मेजबान देश: दक्षिण अफ्रीका
- भागीदार नौसेनाएँ: रूस, चीन, संयुक्त अरब अमीरात, दक्षिण अफ्रीका।
- पर्यवेक्षक राष्ट्र : ब्राजील, मिस्त्र, इंडोनेशिया, इथियोपिया।
- विषय: वर्ष 2026: "प्रमुख जहाजरानी मार्गों और समुद्री आर्थिक गतिविधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने लिए संयुक्त कार्यवाही।"
- उद्देश्य: प्रमुख जहाजरानी मार्गों और समुद्री आर्थिक गतिविधियों की सुरक्षा पर केंद्रित संयुक्त समुद्री अभियानों का संचालन करना, जिसमें वैश्विक दक्षिण देशों के मध्य सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके।
- इसे ब्रिक्स की मूल सदस्यता से परे व्यापक 'ब्रिक्स प्लस' पहल के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

- ब्रिक्स : वर्ष 2016 से ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत कर रहा है।
- BRICS; "Building for Resilience, innovation, Cooperation and Sustainability"

Daily Current Affairs

Date : 20 January, 2026



- **स्थापना:** ब्रिटिश अर्थशास्त्री जिम ओ नील ने वर्ष 2001 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन में उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने हेतु 'ब्रिक ' शब्द का उपयोग किया (BRIC)
- **पहला ब्रिक शिखर सम्मेलन :** वर्ष 2009 में।
- वर्ष 2010 में दक्षिण अफ्रीका ब्रिक में शामिल हुआ जिसके बाद यह ब्रिक्स नाम से जाना जाने लगा (BRICS)।
- **वर्तमान सदस्य:** 11 देश (नवीन सदस्य ; इंडोनेशिया, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात व मिस्र)
- **उद्देश्य:** वैश्विक शासन में सुधार करना और पश्चिम के प्रभुत्व हिस्सेदारी (IMF) विश्व बैंक, UNSC) के विकल्प प्रदान करना।
- **ब्रिक्स देश ; सहयोग के 3 स्तंभ:**
 1. राजनीतिक और सुरक्षा।
 2. आर्थिक और वित्तीय।
 3. सांस्कृतिक और लोगों के मध्य सहभागिता।
- **वैश्विक प्रभाव:**

वैश्विक जनसंख्या	49.5% हिस्सा
वैश्विक GDP	40% हिस्सा
वैश्विक व्यापार	26% हिस्सा

-:17:-

आत्मनिर्भरता तथा रक्षा विनिर्माण का वैश्विक उत्पादन केन्द्र: भारत

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में रक्षा मंत्री ने सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में पूरी तरह से स्वचालित मीडियम कैलिबर गोला बारूद निर्माण सुविधा का उद्घाटन किया।

मुख्य बिन्दु:

- सोलर ग्रुप द्वारा नागास्त्र ड्रोन का विकास और भार्गवास्त्र ड्रोन रोधी प्रणाली का सफल परीक्षण निजी क्षेत्रक की बढ़ती तकनीकी शक्ति को दर्शाता है।

बढ़ता रक्षा स्वदेशीकरण और निर्यात:

स्वदेशी रक्षा उत्पादन:

- वर्ष 2014 - 46 हजार करोड़।
- वर्ष 2025-26 - 1.5 लाख करोड़।
- निजी क्षेत्र की भूमिका:** इस उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत भागीदारी निजी क्षेत्र की है। सरकार का लक्ष्य रक्षा विनिर्माण में निजी क्षेत्रक की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 50 प्रतिशत अथवा उससे अधिक करना है।
- निर्यात:** USA और फ्रांस जैसे देशों सहित 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात।

रक्षा निर्यात:

- वर्ष 2014 - लगभग 1000 करोड़।
- वर्ष 2024-25 - 24000 करोड़।

महत्त्व:

1. आत्मनिर्भरता और सामरिक स्वायत्तता-

- विदेशी निर्भरता कम।
- आपूर्ति श्रृंखला की सुभेद्यता कम
- मेंटेनेंस, रिपेयर, नवीनीकरण क्षमताओं में सुधार

--:18::--

2. आर्थिक गुणक प्रभाव-

- घरेलू रक्षा उद्योग मजबूत
- रोजगार, आजीविका सृजन
- विदेशी मुद्रा की बचत
- रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में MSME का एकीकरण

3. कूटनीतिक प्रभाव

- वैश्विक रक्षा मूल्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण भागीदार
- भारत सुरक्षा प्रदाता के रूप में

प्रमुख पहलें:

1. स्वदेशीकरण की दिशा में-

- सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियाँ
- अनुसंधान, विकास और नवाचार (RDI) योजना
- उत्तर प्रदेश व तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारे
- iDEX - रक्षा उत्कृष्टता में नवाचार
- सृजन - संयुक्त कार्रवाई के माध्यम से आत्मनिर्भर पहलें

2. रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (DAP) - 2020

- बाय इंडियन - IDDM - स्वदेशी रूप से डिज़ाइन, विकसित और निर्मित श्रेणी को प्राथमिकता

3. रक्षा खरीद नियमावली (DPM) - 2025

- व्यवसाय करने में सुगमता
- नवाचार और स्वदेशीकरण के लिए समर्थन
- उद्योग अनुकूल प्रावधान
- डिजिटल एकीकरण और पारदर्शिता पर जोर

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

वूमनिया पहल

चर्चा में क्यों?

- सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) ने वूमनिया पहल के 7 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया।

मुख्य बिन्दु:

अतिरिक्त जानकारी:

- लॉन्च:** वर्ष 2019
- उद्देश्य:** महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों के लिए सरकारी बाजारों तक पहुँच को बढ़ाना तथा बिचौलियों व प्रवेश बाधाओं को दूर करना।
- सार्वजनिक खरीद में महिला नेतृत्व वाले सुक्ष्म एवं लघु उद्यमों की भागीदारी को मजबूत करना।
- समय के साथ, यह एक राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हो गया है जो महिला नेतृत्व वाले लघु एवं मध्यम उद्यमों का समर्थन करता है और सार्वजनिक खरीद में उनकी भागीदारी को उन्नत बनाता है।

राजव्यवस्था

लोकपाल : स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

- लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 की धारा-3 के लागू होने के प्रतीक के रूप में प्रतिवर्ष 16 जनवरी को लोकपाल स्थापना दिवस मनाया जाता है।

मुख्य बिन्दु:

- **स्थापना:** 16 जनवरी, 2014 (लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 की धारा-3 के तहत)
- लोकपाल ने 14 मार्च, 2024 को आयोजित बैठक में संकल्प लिया कि धारा 1 (4) के तहत 16 जनवरी, 2014 को जारी अधिसूचना के माध्यम से भारत के लोकपाल नामक निकाय की स्थापना के कारण, प्रत्येक वर्ष 16 जनवरी को लोकपाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा।
- **प्रथम लोकपाल दिवस :** 16 जनवरी, 2025
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
- **1960:** भारत में K.M. मुंशी ने इस व्यवस्था की मांग की।
- **1963:** 3 अप्रैल, 1963 को संसद में 'लोकपाल' शब्द का प्रयोग: L.M. सिंघवी।
- **1966:** प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग (मोरारजी देसाई)।
- **1968:** पहली बार लोकायुक्त व लोकपाल विधेयक, 1968 लाया गया।
- 9 बार विधेयक।
- **2011:** 10वीं बार लोकपाल व लोकायुक्त अधिनियम, 2013 पेश।
- **राज्यसभा से पारित:** 17 दिसंबर, 2013
- **लोकसभा से पारित:** 18 दिसंबर, 2013
- **राष्ट्रपति की मंजूरी :** 1 जनवरी, 2014
- **प्रभावी :** 16 जनवरी, 2014

--:21:--

Daily Current Affairs

Date : 20 January, 2026



- प्रथम लोकपाल P. C. घोष ने पद ग्रहण किया: 23 मार्च, 2019
- वर्ष 1971 में महाराष्ट्र लोकायुक्त की स्थापना करने वाला पहला राज्य है।
- **संरचना :** 1 अध्यक्ष + अधिकतम 8 सदस्य
- **NOTE:** कम से कम 50% न्यायिक सदस्य होते हैं और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और महिलाओं का 50% प्रतिनिधित्व अनिवार्य है।
- **कार्यकाल :** 5 वर्ष / 70 वर्ष (जो भी पहले हो)
- **पात्रता:**
 - **अध्यक्ष :** भारत के सेवारत या पूर्व मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश
 - **सदस्य:** सर्वोच्च न्यायालय के सेवारत या पूर्व न्यायाधीशों या उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों में से चयन।
 - **नियुक्ति प्रक्रिया:** अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा-
 1. प्रधानमंत्री
 2. लोकसभा अध्यक्ष
 3. विपक्ष का नेता
 4. भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनके द्वारा नामित कोई व्यक्ति
 5. राष्ट्रपति द्वारा नामित प्रख्यात न्यायविद्
 - **लोकपाल का अधिकार क्षेत्र:** प्रधानमंत्री (राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश संबंध, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित अपवादों के साथ) + केंद्रीय मंत्री + संसद सदस्य + समूह A से D तक के केंद्रीय सरकारी अधिकारी।
 - **शक्तियाँ / कार्य:** सिविल न्यायालय की शक्तियाँ प्राप्त है।
 - केंद्रीय जाँच ब्यूरो (CBI) द्वारा प्रस्तुत मामलों में की गई जाँचों की अधीक्षण की शक्ति।
 - तलाशी और जब्ती को अधिकृत करना।
 - अभियोजन या अनुशासनात्मक कार्यवाही की सिफारिश करना।
 - CVC को निर्देश जारी कर सकता है।

-:22:-

केन्द्रीय सूचना आयोग - CIC

चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय सूचना आयोग ने निर्णय दिया कि वकील अपने मुवकिलों के लिए मामले से संबंधित विवरण प्राप्त करने हेतु सूचना का अधिकार अधिनियम का उपयोग नहीं कर सकते।

मुख्य बिन्दु:

CIC - अतिरिक्त जानकारी -

- स्थापना:** सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अन्तर्गत गठित एक सांविधिक निकाय है।
- उद्देश्य:** नागरिकों के लिए सूचना प्राप्ति सुनिश्चित करना।
- कार्य:** RTI अधिनियम से संबंधित नागरिकों की शिकायतों को प्राप्त करना तथा उनकी जाँच करना।
- सदस्य:** एक मुख्य सूचना आयुक्त तथा अधिकतम 10 सूचना आयुक्त।
- नियुक्ति:** मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा, एक समिति की अनुशंसा पर की जाती है। इस समिति में शामिल होते हैं-
 1. प्रधानमंत्री (अध्यक्ष)
 2. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष
 3. प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री
- कार्यकाल:** 3 वर्ष